यहां से वहां

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 67)

रेलगाड़ी

➢ क्या तुम रेलगाड़ी में बैठे हो? कब-कब?

उत्तर मैं रेलगाड़ी में कई बार बैठा हूँ। पिछली बार जब मैं अपने मामा के यहाँ से आ रहा था तो हम लोग रेलगाड़ी में बैठे थे।

➢ क्या रेलगाड़ी कहीं भी चल सकती है? क्यों?

उत्तर नहीं, रेलगाड़ी सिर्फ लोहे की पटरियों पर ही चल सकती है।

➢ इस कविता में 'लोहे की सड़क' किसको कहा गया है?

उत्तर इस कविता में रेल की पटरियों को 'लोहे की सड़क' कहा गया है।

➢ कविता में रेलगाड़ी कहाँ-कहाँ से होकर गई है? सूची बनाओ।

उत्तर

बालू रेत	हरा मैदान	मंदिर
मकान	चाय की दुकान	पुल पगडंडी
धोबी घाट इत्यादि।		

➢ तुम किस वाहन पर बैठे हो? उनके नाम अपनी कॉपी में लिखो।

उत्तर मैं कार, बस, रेलगाड़ी, मेट्रो रेल में बैठा हूँ।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 70)

➢ बच्चों ने किन-किन वाहनों के नाम लिए?

उत्तर

बस	मेट्रो रेल	कार
नाव	घोड़ागाड़ी	साइकिल
बैलगाड़ी	रिक्शा	टैक्सी

➢ नीचे लिखी जगहों पर अपने घर से कैसे जाना चाहोगे? वाहन का नाम डिब्बे में लिखो।

उत्तर

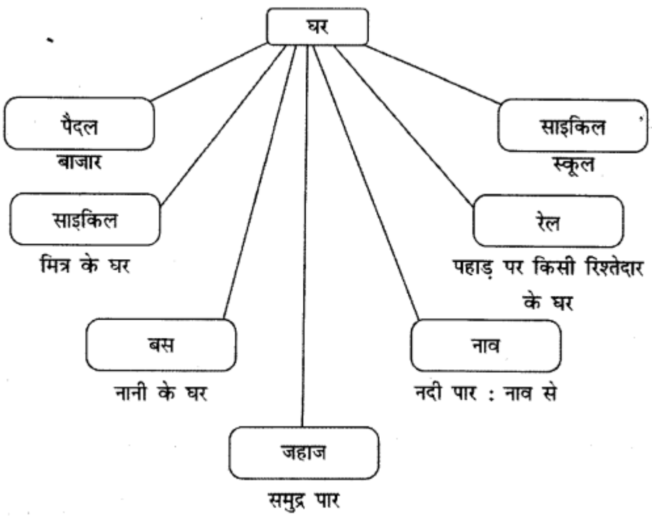

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 71-72)

➢ कुछ वाहनों के चित्र बने हैं। चित्र के सामने उनके नाम तथा वे किस काम आते हैं लिखो। खाली जगह में अन्य वाहनों के चित्र बनाओ। उनके नाम और काम भी लिखो। क्या ये सभी वाहन हमारे आने-जाने के काम आते हैं?

उत्तर

वाहन	काम
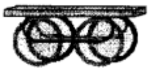	सब्जियाँ तथा अन्य सामान बेचने के लिए
	डाक पहुँचाने के लिए
	विकलांगों के लिए
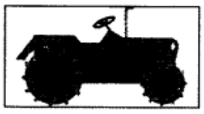	खेती में जुताई और सामान ढोने के लिए
	सवारी ढोने के लिए

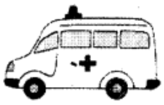	मरीजों को ढोने के लिए
	घूमने के लिए
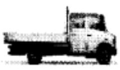	सामान ढोने के लिए
	पेट्रोल और डीजल ढोने के लिए

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 73)

➢ नीचे दिए चित्र में कुछ वाहनों के नाम लिखे हैं। तुम्हें हर वाहन को एक तरफ उसके पहिए की संख्या से जोड़ना है। दूसरी तरफ उसी वाहन को वह जिससे चलता है, उससे जोड़ना है।

(एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक, पृष्ठ संख्या 73 देखें)

उत्तर

वाहन	पहियों की संख्या	किससे चलता है
बस	चार या चार से ज्यादा	डीजल या गैस
बैलगाड़ी	दो	बैल
ठेला	दो या चार	मनुष्य
स्कूटर	दो	पेट्रोल
कार	चार	पेट्रोल या डीजल या गैस
रिक्शा	तीन	मनुष्य
मेट्रो रेल	चार से ज्यादा	बिजली
रेलगाड़ी	चार से ज्यादा	डीजल या बिजली
नाव	शून्य	मनुष्य
ट्रक	चार या चार से ज्यादा	डीजल या गैस
साइकिल	दो	मनुष्य
मोटर साइकिल	दो	पेट्रोल

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 74)

➢ बड़ों से पूछ कर बताओ—आज से पचास साल पहले लोग कैसे आते-जाते थे? क्या तब भी यही सब साधन थे?

उत्तर पचास साल पहले लोग बस, बैलगाड़ी, रेलगाड़ी, साइकिल से आते-जाते थे। मेट्रो रेल को छोड़कर बाकि सभी साधन पचास साल पहले भी मौजूद थे।

➢ क्या तुम अनुमान लगा सकते हो कि बीस साल बाद लोग आने-जाने के लिए किस-किस तरह के वाहन का प्रयोग करेंगे? अपने घर के लोगों और दोस्तों से पूछ कर दी गई तालिका भरो।

उत्तर

किससे पूछा	क्या कहा
स्वयं से (मैं)	बैटरी चालित साइकिल
दोस्त	सौर ऊर्जा वाली स्कूटर
चाचा	सौर ऊर्जा वाली कार
शिक्षिका	इलेक्ट्रॉनिक रिक्शा
पिता	प्राइवेट हवाई जहाज
मामा	अंतरिक्ष यान

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 75)

तुम्हारी अपनी रेलगाड़ी

➢ अगर कोई छुक-छुक की आवाज करे तो तुम झटपट पहचान जाते हो कि वे रेलगाड़ी के लिए कह रहे हैं। क्या तुम इन आवाजों से वाहन को पहचान सकते हो? लिखो।

उत्तर

आवाज	वाहन
छुक-छुक	रेलगाड़ी
पीं-पीं	स्कूटर
पौं-पौं	ट्रक
टप-टप	घोड़ागाड़ी
घर्र-घर्र	मोटर साइकिल
ट्रिंग-ट्रिंग	साइकिल

➢ यह तो थी एक-एक वाहन की आवाज। जब सड़क पर एक साथ कई वाहन आवाजें करते हुए चलते हैं, तो कैसा लगता है? मचता है न कितना शोर।

उत्तर हाँ, सड़कों पर बहुत ज्यादा शोर मचता है।

➢ तुमने सबसे ज्यादा शोर कहाँ सुना है?

उत्तर व्यस्त सड़क पर; सुबह और शाम के वक्त।

➢ क्या तुम्हें इतना शोर अच्छा लगता है? क्यों?

उत्तर इतना शोर मुझे अच्छा नहीं लगता, बल्कि इससे सिर में दर्द हो जाता है।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 76)

(एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक, पृष्ठ संख्या 76 देखें)

➢ चित्र में तुम्हें क्या-क्या दिखाई दे रहा है?

उत्तर एक मकान में आग लगी है। दमकल की गाड़ी मकान के सामने है। दमकल के लोग आग बुझा रहे हैं। एक एम्बुलेंस और एक पुलिस की गाड़ी भी खड़ी है।

➢ तुम्हें कौन-कौन से वाहन दिखाई दे रहे हैं?

उत्तर 1. एम्बुलेंस 2. पुलिस वेन 3. दमकल ट्रक

➢ ये वाहन क्या-क्या काम कर रहे हैं?

उत्तर दमकल ट्रक आग बुझा रही है। एम्बुलेंस घायलों को अस्पताल ले जा रही है। पुलिस की वेन सुरक्षा के लिए है।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 77)

➢ ऊपर के खानों को देखकर नीचे उन्हें क्रम से बनाओ और रंग भरो। देखो क्या बनता है। उसका नाम भी लिखो।

(एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक, पृष्ठ संख्या 77 देखें)

उत्तर हाथी।